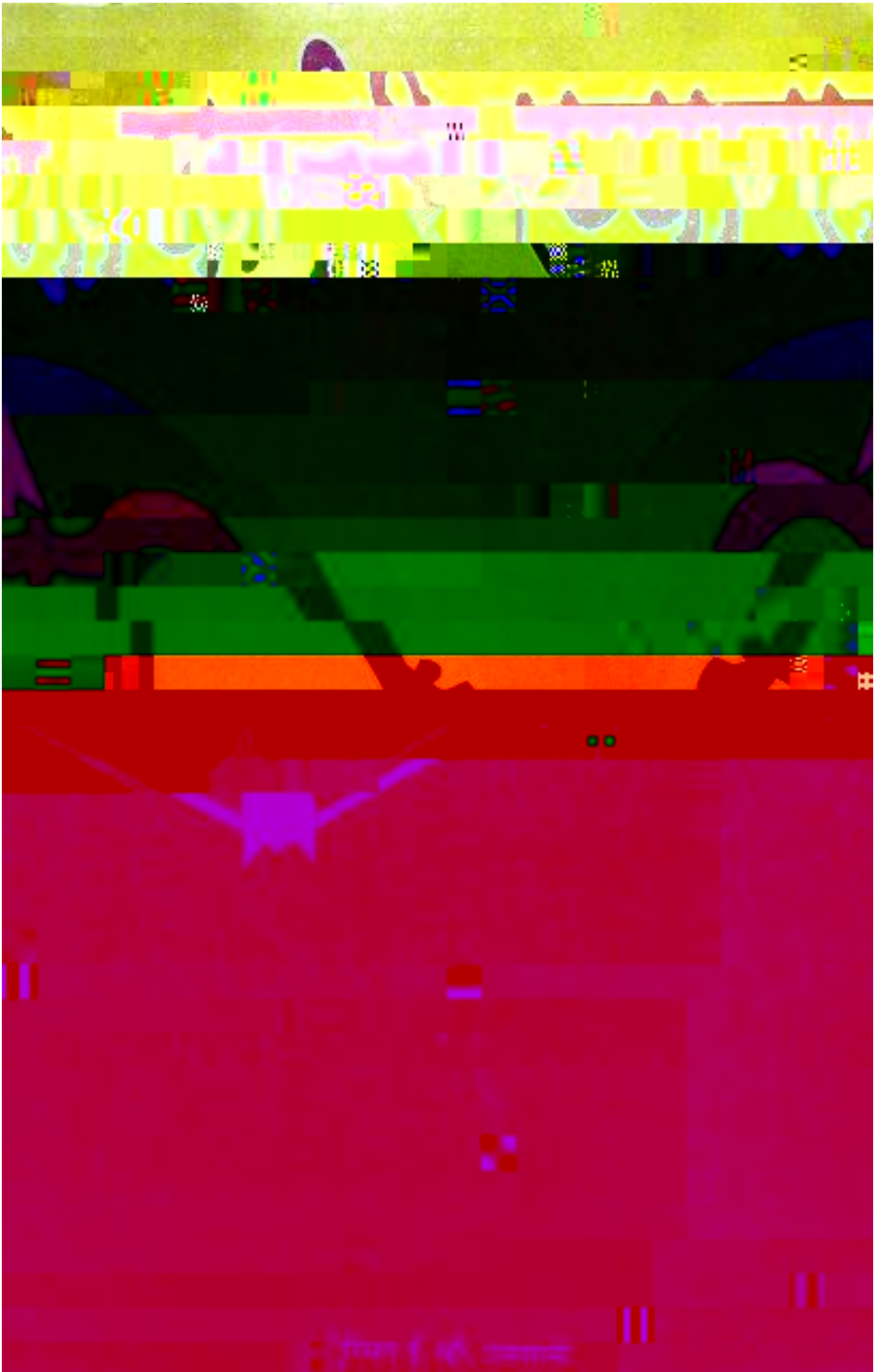

रामायण उत्तर प्रदेश

एप्लीकेशन नम्बर ४१२/१९७० ई. निर्णय हाईकोर्ट ऑफ जुडीके[illegible]
इलाहाबाद दि. १९-१-१९७१ ई. के अनुसार अ[illegible]लांट श्री ललई[illegible]
[illegible]दव क[illegible]। अपीलांट को तीन सौ रुपये खर्च [illegible]

सच्ची [illegible]

प्रथम [illegible]

भूमिका

...क्ति भी है।

रामायण-काल में इसकी आवश्यकता कोई ...

...लायी या ...

... के इस कृत्य के कारण ...का क्या जलाई जाये? ...लकी निर्वासित क्या मार जाये? इस कथा का उद्देश्य केवल ...

... राम और सीता में किसी प्रकार की कोई देवी तथा स्व...

...ीय ...क्ति नहीं है।

...वण और ब्रेयम (मह...

...त्र के लिए...

...का कल्पित ... सिद्धान्त राम और ... की सीता को जबरन...

... मौलिक ...

...भी करते थे व (आर्य) इनका 'वेद' कहते हैं। ये पवित्र

...था प्रसंग

रामायण की घटनायें और कथा-क्रम बहुत कुछ [illegible] ... हैं। वे म. विमात्र ... की समझ ... [illegible]

... आ सकता। [illegible]

... सकता है। [illegible]

[illegible]

कथा श्रोत

रामायण की कथा न तो धर्म-संगत है [illegible]

...के दण्ड और दुष्परिण... स्वरुप उसे उन ...यों, मुनियों द्वारा श्राप दिये गये- जिनके प्रति उसने अपराध कि... ? क्योंकि उस ...ष्णु ने (विरुद्ध) ... की स्त्री को मार डालने का घृणित पाप किया था।

... छल तथा ... से लूटा था।

कदाचित क्या यह सब लीला दिखाने के लिये? पुराणों में इस ...

... ती हैं। ये क...

छोड़ कर यह देखना चाहिये, कि देवता और असुर ...

रामायण के बाल काण्ड नामक प्रथम अध्याय [illegible] गया है, कि अयोध्या का राजा दशरथ पुत्र-प्राप्ति की इच्छा [illegible] करने का विधान [illegible] [illegible] यज्ञ मे [illegible], घोड़े, चिड़ियाँ व सर्प जैसे अण्डज व पिण्डज पशुओं [illegible] करने के लिये संप[illegible] किया गया था। [illegible] [illegible] है, [illegible] एक पिता बनने के केवल अपने स्वार्थ सिद्ध होने की आ[illegible] से इन [illegible] का [illegible] किया [illegible]

[illegible]

[illegible] साथ चिपटी हुई सम्पूर्ण रात पड़ी [illegible] यदि [illegible] ईश्वरीय धर्म [illegible] के [illegible] विचार [illegible] अर्थ है। इतना ही नहीं -यदि कोई [illegible] [illegible] और अपने [illegible] के अनुसार यह सोचे कि यज्ञ क्या है [illegible] सकता।

[illegible] में प्रकाशित पुस्तक [illegible] उस यज्ञ का घृणित [illegible] वर्णन किया [illegible] यज्ञ का सम्पादन कर [illegible]

[illegible]

जावेगी।"

४ - एक दिन ... राम राज ...
घोषणा कर दी ... था।

५ - यद्यपि मन्त्री वशिष्ठ ... गुरु-जन भली भांति और स्पष्टत
जानते थे, कि भरत राज गद्दी ... अधिकारी ...

... इस बात को ... बिना किसी विरोध के शान्तिपूर्व
स्वीकार कर लूंगा, क्योंकि भरत ... उदार व अच्छी प्रकृति का है और
जन होने के नाते जो कुछ पहिले ...

... राजा बनाया जावे और आपकी ...
... राम को बनवास दिया जाये-तो ...

... तैयार हूं। राम को बनवास भेजने का हठ न करें।"

१०

दशरथ ...
विफल कर ... भी नहीं।
कहा कि "राम मेरा प्यारा पुत्र ... कारण राजगद्दी का वह

...ारी, प्रजा ... राम के साथ वन ...
भिजवाने का प्रबन्ध करो।

(अयोध्या काण्ड ...

(त्रिलजडी) था। इस प्रकार राम सत की आस्तित्व था साप [illegible] अु [illegible]
था।

3 - भरत की [illegible] द्वारा रजिगद्दो मिलन के प्रफ़[illegible]
से शाम स्वयं सन्तुष्ट था।

४ - क[illegible]

[illegible] व्यवहार नहीं करता [illegible]

[illegible] बालि के प्रति आ[illegible] के भारी [illegible] करने [illegible]

अवसर नहि दिया गया। रामने बालिको [illegible]

[illegible]

36. राम हमेशा अनुचित विषयभोग मे [illegible]

[illegible]

का बदला)

था-बल्कि तब अपने पिता के

बदले के

४९ - राम ने जो धनुष [illegible] था वह शिव का था और वह [illegible] से ही [illegible] टूटा था। (देखिए [illegible] शिरोमणि; [illegible] के पेज [illegible]७,३३१,५७१, ६६३,८१४,११५१,११७३ [illegible])

[illegible] - विभिन्न रामायणों और परशुराम के द्वारा समर्थन किया।

राम ने धनुष तोड़ा था- उस समय राम की अवस्था माता कौशल्या के अनुसार पांच वर्ष, पिता दशरथ [illegible]

सीता

...ओ... व हम सीता के चरित्र का निरिक्षण करें। सम्पूर्ण रामायणमें ... से एक शब्द सीता की प्रशंसा मे लिखा गया है।

वह राम की अपेक्षा आयु में बड़ी है। उसका जन्म सन्देह जनक और ...यपूर्ण...

... वह राम से कहती थी कि ...

...तुम ...गुणी... तुम आकर्षण...

...या होप भोप से रहते हैं!"

१ - "तुम उस स्त्री...

...पारी से ... अपनी स्त्री को किराये...

...कर जीविका चलाता हो तुम मुझे ...

ध्यान से देखें

मोहित हो

गई और उसकी ओर बढ़

नहीं। शूर्पणखा की इस

...पकड़ा था क्योंकि

...न रावण का चित्र खींचा था।

३९ - रामायण के अनुसार हम कह सकते...

... सीता को अकेले जंगल में छुड़वाया। इसके ...

...स्वरूप बहुत ... से दृष्टान्त हैं।

जहां तक सी...

राम रावण को मार कर ... थ लाकर, अयोध्या ...

तिलकोत्सव के [illegible] अयोध्या पर राज्य करने लगा, तब सुग्रीव, विभीषण

और अ...

वास्तव में तुम्ही करो [illegible]

[illegible] छुट गया। सुमित्रा के पुत्र लक्ष्मण और

शत्रुघ्न ने क्रमशः राम और भरत का पक्ष लिया- [illegible] थे

[illegible] ना की राजगद्दी मि[illegible]

[illegible]

विश्वास को मन में रख कर उसने क [illegible]

5. वह सच्ची, [illegible]

पालनकर्ता।

(५) वीर योद्धा।

किया ... है तथा उसकी

४ - हनुमान

हुये कहा कि ... के महल की सभी स्त्रियों ने स्वेच्छापूर्वक

रानियाँ होना ... स्वीकार किया

...नियमानुसार गूंगे पशुओं की ... वाले दक

दारक जघन्य-अपराध करते थी वह किसी अन्य

पुनःअवत...र...

...स्वरूप पैदा हुए। ... अब हम य...

...ज्ञ को विशेषताओं पर ध्यान दें। कई प्रकार की स्त्रि... यों...

...इक्ष्वाकु ... का प्रबन्ध कर दिया ... केकय देश के

...राजा को कोई ... आमंत्रण नहीं दिया ... इस उत्सव की सूचन...

मेरी आज्ञा ... पर अधिकार ... कर सकते हो। ...

पुरोहितों को ... लिये ... करता था।

जब राम बनवास जाने को था, तब उसने गम्भीर दुःख की ...

और उसने ... किया कि ... जो ...

... किया, क्योंकि ...

... में आकर राक्षसों को ...

... पूर्वक व्यर्थ में लड़ाई मोल ली। सुग्रीव ...

... के लिये उसने आड़ में छिप ...

प्रसन्न ... पीहना

... जाना पड़ा। इस प्रकार ... सती आदर्श कन्या

... दिया, कि मैं उस भरत के साथ

नहीं रहना चाहता, जो मुझ से घृणा करता है।"

बनवा...

... मृग का पीछा ... मृग अति ... से चिल्लाया

... तब सीता ...

अवस्था छिपाती थी।

सीता रावण से बाते किया करती

पाठक तनिक इस पर विचार करें। क्या एक सती दैवी शक्ति ... की कथा ऐसी ही है। त ...

... उठा लिया और अपनी जां... उठाकर उसे ले गया ... चलाता है। इस ... प्रकार कथा चलती है।

... मेरा भौतिक शरीर कहीं-किन्तु ... तुम्हारे ...

द्वितीय ध्यान ... बात यह है, कि रावण को दो शाप दिये गये थे। प्रथम ... यदि वह किसी स्त्री ... आज्ञा के छुयेगा। तो वह भस्म हो जायेगा। ... गी।

... स्थान पर वह खड़ा था उस स्थानसहित उसे ले गया। इन शापों के प्रमाण स्वरूप द्वितीय ... में कहा गया है कि, रावण ... नहीं ले गया था, अपितु वह उसकी मायावी प्रतिमा ... ले ...

लंका में सीतार... रावण ने उससे ... "सीते! लज्जा न करो।

हमारा तथा तुम्हारा ... नानुसार है। इसका ...

... ते हो। मुझे अपने शरीर की चिन्ता ...

... काम नहीं हुआ हैं। मेरे शरीर ... सिवाय मेरा मन तुम्हारे साथ था ...

... र रहेगा।"

[illegible] और सीता के विषय [illegible] में दिये गये वर्णनानुसार उन्हें चरित्रहीन [illegible]

[illegible] बताया गया है [illegible] छः वर्ष [illegible] ब्याहे [illegible]

[illegible] वें वर्ष की अवस्था में [illegible] स्थान पर छिपकर ताड़का [illegible]

[illegible] डालने से बालक राम की [illegible] होती है।

[illegible] प्रकाश में लाने [illegible]

[illegible] मिलाकर रखा [illegible]

[illegible] कैकेई को दिये गये वचन [illegible] के अनुसार [illegible]

[illegible] पुत्र [illegible] राजगद्दी का कृतम अधिकारी है।

[illegible] यहां पर [illegible]

दिया गया है। जब राम वन जाने के लिये आ... माता कौशल्या से आज्ञा ...

... अभी शीश हूँ अभी बालक ...

... को राक्षस आदि को! ... लिये कैसे भेज सकता हूँ ... इससे ...

... विवाह के समय राम केवल पांच वर्ष का था

...

लक्ष्मण को सम्बोधित करते हुये कहा कि, "मुझे ऐसा लगता है कि राम के

कोई ... जाओ और देखो ...

अब [illegible] से सम्बन्धित चरित्र का [illegible]

[illegible] सीता का अपमान [illegible]

60

व उसके उदास होने के कारण को

अपने भाइयों ... से कहा कि लोग कहते

...दोषी ... जो अभियुक्त समझकर राम की ...

ही मामले का निर्णय किया जाए तो सभी ... निष्पक्ष ... कि न्यायाधीश

... यह निर्णय देगा कि रावण नि... तथा निष्क...

...रावण ... डरा व धमका कर ...

...लोक हैं उस ...

...रिपोर्ट ...

...खुफिया विभाग की ...

हिस्ट्री एण्ड